# <u>विस्तृत परियोजना दस्ताबेज (IWMP- VIII)</u>

## विस्तृत परियोजना रिपोर्ट एकीकृत जलागम प्रबंधन कार्यक्रम

## ग्रांम पंचायत छोटा कम्बा सुगरा,नाथपा,पुनगं,काफनु,यंगपा विकास खंड निचार जिला किन्नौर,हिमाचल प्रदेश

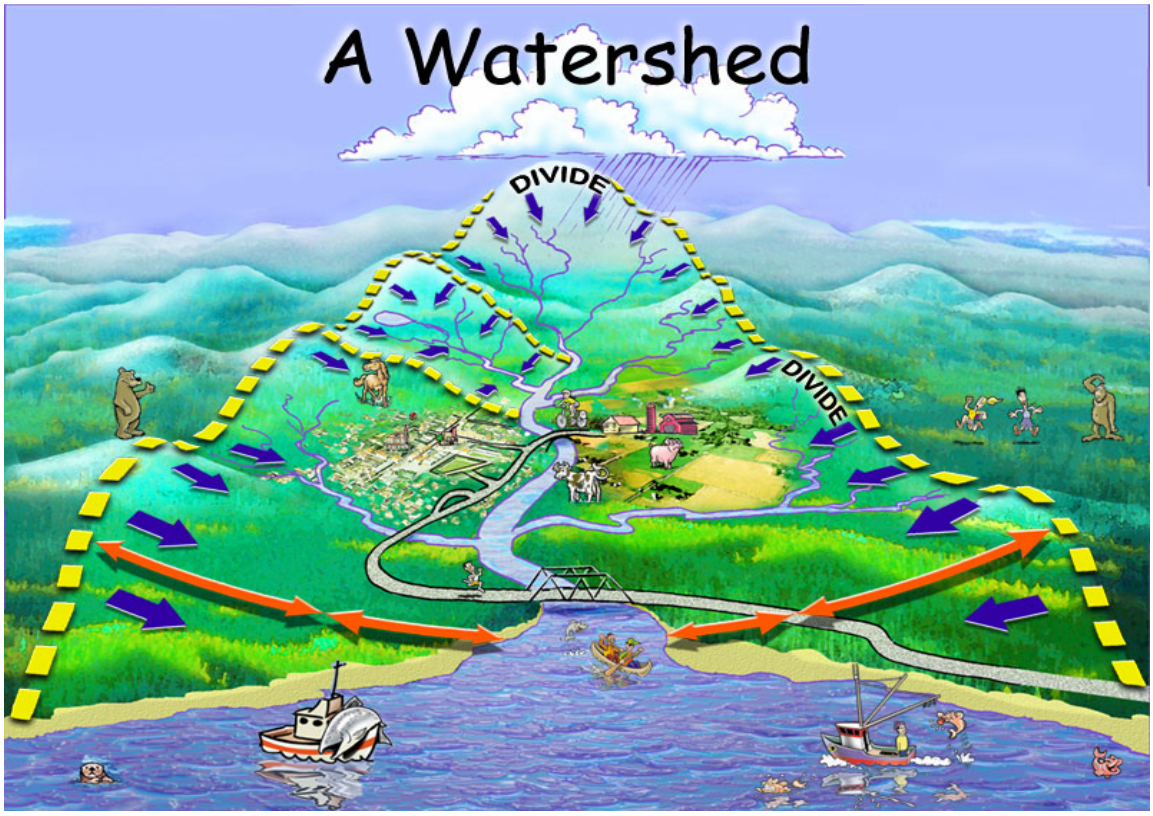


प्रस्तुत

परियोजना अधिकारी जिला ग्रामीण विकास अभिकरण जिला किन्नौर

**हिमाचल प्रदेश**

**तैयार कर्ता**

PLAN Foundation

(Foundation for Participatory Learning & Action Network

**Admn. Off**.: : Broadway Enclave, Sanjauli Shimla H.P Telefax: + 91-177-2841204, Mob. 092186-00613, 94189-84425 Email: planhp@rediffmail.com //info@planfoundation.org web: www.planfoundation.org

**● Delhi ● Himachal Pradesh ● Punjab ● Uttar Pradesh**

# विस्तृत परियोजना दस्ताबेज (IWMP- VIII)

## सामग्री की सारणी


संक्षिप्त .....4

जलागम क्षेत्र एक नजर में .....5

कार्यकारी सारांश.....6

एक अध्याय परिचय उदेश्य और कार्यप्रणाली.....7

परिचय.....8

उदेश्य.....8

कार्यप्रणाली.....9

निचार खंड की सुक्ष्म जलागम का विश्लेषण.....10–11

अध्याय –2 जलागम क्षेत्र का अवलोकन.....12

जलागम का अवलोकन.....13–17

अध्याय –3 प्रांरभिक कार्य निष्पादन और एकीकरण.....18–22

कार्य निष्पादन.....23–26

एकीकरण चरण.....27

संस्थागत व्यवस्था कार्य योजना एवं बजट.....28–31

बजट.....32–34

# विस्तृत परियोजना दस्ताबेज (IWMP- VIII)

अनुबंध :–

1. फोटो
2. समेकन .एम0 आई0 एस0
3. डिजाइन और पांच वर्ष के लिए अनुमानित लागत
4. ग्रामीण सहभागिता समीक्षा मानचित्र पंचायत
5. जी0 आई0 एस0 मानचित्र पंचायत
6. ग्रांम सभा प्रस्ताव
7. समेकन कार्य योजना
8. कार्य योजना पंचायत वार

# संक्षिप्त

| | |
|---|---|
| IWMP | एकिकृत जलागम प्रबधंन कार्यक्रम |
| I&PH - | सिचांई एवं जन स्वास्थय |
| WDF - | जलागम विकास दल |
| NPK - | नाइट$^{a}$ोजन फास्फोरस पोटरशियम |
| G.P - | ग्रांम पंचायत |
| AF - | वनरोपण |
| GT. - | पेड के साथ घास वाली भूमि |
| G.S - | घास बीज |
| C.C.T - | सतत कंटूर टैचं |
| SCT - | कंपित कंटूर टैचं |
| AH - | कृषि बागवानी |
| CP. - | खाद गडढे |
| DH - | सुखी भूमि बागवानी |
| S.CPCT - | सतत परिधीय कंटूर टे$^{a}$चं का सुद्रढिकरण |
| CPL - | समुदाय चरागाह भूमि |
| MPT - | छोटी परकोलेशन टैकं |
| PT - | छोटी परकोलेशन टैकं |
| NPM - | गैर कीटनाशक प्रबंधन |
| MN. - | सूक्षम पोशक तत्वों |
| EPA - | प्रवेश बिंदू गतिविधि |
| UG - | उपभोगता समूह |
| D1 - | बहुत उथला (0.15) |
| D 2 - | उथला (0.30) |
| D 3 - | मधयम गहरी (0.45) |
| D 4 - | दीप (अधिक से अधिक –5) |
| E1 | शीट कटाव |
| E2 - | ढलना कटाव |
| E3 - | छोटे Gullied कटाव |
| E 4 - | गंभीर Gullied कटाव |
| S1 - | ढाल (15%-20%) |
| S2 - | ढाल (20%-25%) |
| S3 - | ढाल (25%-30%) |

# विस्तृत परियोजना दस्ताबेज (IWMP- VIII)

## 2. जलागम क्षेत्र एक नजर में

| | | |
|---|---|---|
| **समान्य सुचना** | | |
| 1 | जलागम का नाम | छोटा कम्बा ,सुगंरा नाथपा पुनग काफनु यगंपा |
| 2 | ग्राम पंचायत का नाम | छोटा कम्बा ,सुगंरा नाथपा पुनग काफनु यगंपा |
| 3. | विकास खडं का नाम | निचार |
| 4 | जिला का नाम | किनौर |
| 5. | जलागम के भोगोलिक क्षेत्र | छोटा कम्बा 919 ,सुगंरा 629, नाथपा 717, पुनग 624,काफनु1125, यगंपा 682, |
| 6. | सूक्ष्म जलागम तथा जलागम क्षेत्र के कोड | छोटा कम्बा 1A2B5L1B, सुगंरा 1A2B6G3a, नाथपा 1A2B6G3B, पुनगं1A2C3D1a, काफनु1A2C1G2B, यगंपा 1A2C1H1a |
| 7 | प्रमुख जल स्त्रोत | सतलुज |
| 8. | जलागम क्षेत्र के पास बहने वाली नदी | सतलुज |
| 9. | आजीविका के विकल्प | बगवानी कृषि पशुपालन व्यापार मजदुरी |
| **जनसांख्यिकी** | | |
| 10. | जनसंख्या | 8816 |
| 11. | पुरुषो की संख्या | 4808 |
| 12. | महिला की संख्या | 4004 |
| **कृषि** | | |
| 13. | मुख्य फसलें | गेंहू, जई, सब्जियां दालें। |
| 14. | विपणन | शिमला और चण्डीगढ़ |
| **बागवनी** | | |
| 15. | मुख्य फसल | सेब, नाशपति, आंगूर, खुमानी और बादाम। |
| 16. | विपणन | शिमला और चण्डीगढ़ |
| **पशु पालन** | | |
| 18 | पशुधन | गाय, बैल, भेड, बकरी, गधा, खचर और घोड़ा |
| 19 | दुग्ध उत्पादन पर परिवार | 2 .5 लीटर |

# <u>विस्तृत परियोजना दस्ताबेज (IWMP- VIII)</u>

## 3. कार्यकारी सारांश

एकीकृत जलागम प्रबधंन कार्यक्रम के अंतर्गत जलागम परियोजनाओं को लागू करने के लिए सामान्य दिशानिर्देश तैयार किया गया है। ग्रामीण विकास मंत्रालय एवं कृषि मंत्रालय ने वर्षा पर आधारित क्षेत्रों के लिए राष्टीय बंजर भूमि विकास परियोजना को लागू किया है।

इस परियोजना के अंतर्गत किन्नौर जिले के  निचार ब्लॉक के प्रस्तावित जलागम क्षेत्र में छोटा कम्बा पंचायत को लिया गया है, जिसमें एक सुक्ष्म जलागम परियोजना शामिल है। पंचायत छोटा कम्बा का सुक्ष्म जलागम कोड 1a2b5l1b **सुगंरा** 1A2B6G3a, **नाथपा** 1A2B6G3B, **पुनगं**1A2C3D1a, **काफनु**1A2C1G2B**, यगंपा** 1A2C1H1a

प्लान फॉऊडेशन शिमला ग्रामीण विकास विभाग हिमाचल प्रदेश को एकीकृत जलागम प्रबंधन कार्यक्रम को क्रियान्वित करने में सहयोग कर रहा है। संस्था ने ऊना  व शिमला जिलों सहित कई अन्य जिलों में भी एकीकृत जलागम प्रबंधन कार्यक्रम को सुचारू रूप से चलाने में सहयोग दिया है।

जलागम क्षेत्र में कृषि एवं बागवानी आजीविका का प्रमुख स्त्रोत है। कृषि उत्पादन मुख्य रूप से स्थानीय जरूरतों को पूरा करने के उदेश्य से होता है। जलागम क्षेत्र की प्रमुख फसलें गेंहू, जौ, दाल, मटर, और आलू इत्यादि है। किसान कृषि उत्पादन के लिए पुरानी तकनीक इस्तेमाल करते हे। बागवानी जलागम क्षेत्र का एक प्रमुख आजीविका के स्त्रोत के रूप में माना जाता है। गांव के अधिकतर किसान बागवानी गतिविधियों में शमिल है। बागवानी में  प्रमुख रूप से सेब, नाशपाती ,बादाम और अंगूर आदि का उत्पादन होता है।

जलागम क्षेत्र में कृषि एवं बागवानी में उत्पादकता बढ़ाने हेतु ग्रांम सभाओ द्वारा प्रस्तावित गतिविधियो में कुछ तालाब ,कुहल ,टेंक और क्रेट वायर,गली पलग और बागवानी क्षेत्र मे नई तकनीक के उपकरण देना शामिल है। जलागम क्षेत्र की विस्तृत परियोजना रिर्पोट में प्रस्तावित गतिविधियों में मिट्टी, पानी और सामूहिक संसाधनो में सुधार के लिए में सम्मिलित की गई है। दिशा निर्देश के अनुसार एकीकृत जलागम प्रबंधन कार्यक्रम में कुल निधि 45000000.00 की है।

# पहला अध्याय
# परिचय उद्धेश्य और कार्यप्रणाली

# 4.परिचय

एकीकृत जलागम प्रबंधन कार्यक्रम का उद्धेश्य देश के ग्रामीण क्षेत्रों का एकीकृत विकास और स्थायी विकास के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए अधिकतम तरीकों से स्थानीय स्तर पर उपलब्ध प्राकृतिक संसाधनों का वैज्ञानिक तरीकों से दोहन है।

इस कार्यक्रम के तहत क्षेत्र में भूमि कटाव को रोकना, उपरी मिट्टी आवरण को बचाए रखना, प्राकृतिक वनस्पति का बचाव एवं विकास, जल संरक्षण, भुमिगत जल की रिचार्जिग हेतु उपयुक्त कदम, प्राकृतिक संसाधनों का विकास और पारिस्थितिक संतुलन को बनाएं रखने हेतु उपयुक्त गतिविधियां शामिल होती है। कार्यक्रम में कृषि, बागवानी, पशुपालन और आजीविका विकास की गतिविधियां शामिल है।

जलागम विकास समुदाय की भागीदारी को प्रोत्साहित करते हुए पर्यावरण के बीच एक संतुलन, प्राकृतिक एवं मानव संसाधनों की क्षमता, जवादेही, दक्षता और पारदर्शिता लाने में मदद करेगा ।

# 5. उद्देश्य

कार्यक्रम का उद्धेश्य समुदाय की आजीविका को सुदृढ करने के लिए प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और कार्यकलाप के लिए भागीदारी के आधार पर विस्तार कार्यन्वयन योजना तैयार करना है।

## मार्गदर्शक सिद्वांत

एकीकृत जलागम प्रबंधन कार्यक्रम द्वारा स्थानीय समुदाय,पंचायती राज,सरकारी विभागों और समन्वित योजना के कार्यान्वयन द्वारा देश के ग्रामीण क्षेत्रों में सतत विकास के लिए प्राकृतिक संसाधनों के रखरखाव की परिकल्पना की गई है। इस कार्यक्रम के व्यापक उद्धेश्य की पूर्ति हेतु कुछ रूपरेखा निम्न प्रकार से हैः

5.1 संसाधन विकासः संसाधन विकास, संरक्षण और उत्थान सुनिश्चित करते हुए स्थानीय आजीविका का स्तर बढ़ाने के लिए कृषि और संबधित गतिविधियो को बढावा देना ।

5.2 विकेन्द्रीकरणः परियोजना प्रंबधन से विकेन्द्रीकरण, प्रतिनिधित्व, दक्षता में उन्नति होगी। पचायती राज संस्थाओं में उपयुक्त संस्थागत व्यवस्था की स्थापना और स्थानीय परिस्थिति के अनुसार मानको के अनुरूप परिचालन में लचीलेपन से विकेन्द्रीकरण में वृद्धि होगी। नितियों को तर्कसंगत बनाने के लिए प्रतिनिधिमण्डल के साथ सशक्त समिति, निरन्तर प्रशासिन सहायता और धनराशि का समय पर अदा करना विकेन्द्रीकरण के लिए प्रभावी कदम है।

## 5.3 सामुदायिक भागीदारी की केन्द्रीयता :

प्राथमिकता हितधारको की भागीदरी योजना, बजट,कार्यान्वयन और जलागम परियोजनाओ के प्रबंधन के केंद्र में है। सामुदायिक संगठन परियोजना की गतिविधियों के लिए ग्राम सभा के प्रति जवाबदेह होगा ।

## 6. कार्यप्रणाली

विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने की प्रक्रिया के दौरान भूमि रिकॉर्ड, शैक्षिक स्थिति, कृषि और बागवानी संबधी आंकड़ें पटवारी, ग्राम पंचायत तथा डॉ. वाई एस परमार विश्वविधयालय के अनुसंधान स्टेशन जैसे स्थानीय सरकारी संस्थानों से को लिया गया।

## 6.1 माध्यमिक आंकडो का संग्रह

वर्षा, स्वास्थ्य की स्थिति, शिक्षा, सिचाई और पेयजल, भूमि अभिलेख, कृषि और बागवानी उत्पादकता, सार्वजनिक संपति एवं संसाधनो आदि की उपलब्धता के संबंध में माध्यमिक आंकड़ों को स्थानीय निकाय जैसे पटवारी,ग्राम पंचायत, कृषि एवं बागवानी विभाग और डॉ. वाई एस परमार विश्वविदयालय के अनुसंघान स्टेशन से एकत्रित किया गया है।

## 6.2 पी आर ए अभ्यास के संचालन के माधयम से प्राथमिक आंकडों का संग्रह

ग्रामीण सहभागिता समीक्षा के माघ्यम से स्थानीय लोगों ने परियोजना की रूपरेखा तैयार करने में में बढ़–चढ़ कर भाग लिया। प्लान फाऊडेशन शिमला की टीम ने पी.आर.ए.करने के लिए जलागम क्षेत्र के भीतर स्थित गांवों का दौरा किया। प्रारंभिक विचार विमर्श और तालमेल के बाद विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने के लिए आवश्यक जानकारी और आकड़े एकत्र करने के लिए निम्नलिखित प्राथमिक अभ्यास का आयोजन किया ।

- **क्षेत्र भ्रमण।**
- **सामाजिक संसाधन चित्रण।**
- **प्राकृतिक संसाधन चित्रण।**
- **पाई चार्ट आरेखं**
- **समय रेखा विश्लेषण।**
- **केंद्रित समुह चर्चा।**

## 6.3 सहभागिता नियोजन

विस्तृत परियोजना रिपोर्ट में प्रस्तावित सभी गतिविधियों पंचायत स्तर की बैठको में स्थानीय समुदाय के साथ गहन विचार विमर्श करने के बाद योजना प्रारूप तैयार की गई है। सभी वार्डों के लोगों ने सार्वजनिक संसाधन, कृषि उत्पादकता, डेयरी विकास और बुनियादी ढांचे के विकास आदि में सुधार लाने के लिए प्रस्तावित गतिविधियों के लिए सुझाव दिए।

## 7. निचार विकस खंड की सुक्ष्म जलागम कर विश्लेषणः

| क्र0 स0 | हस्तक्षेप का क्षेत्र | मज़बूती | कमजोरियों | अवसर | चुनौतियां |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | कृषि | ➢ क्षेत्र में गेंहु, दाले, ओगला, फाफरा, आलू और मटर आदि फसले उगाई जाति हैं।<br>➢ कृषि से जो उत्पादन होता है उसे नजदीक रिकॉगपिओ व शिमला बाजार मे बेचा जा सकता है। | ➢ सिचाई के पानी की सुविधा नही है।<br>➢ नई प्रणाली का प्रयोग न होना। | ➢ यदि सिचाई सुविधा प्रर्याप्त मात्रा मे मिले तो कृषि उत्पादन में बढ़ोतरी हो सकती हे। | ➢ ग्लेशियर के आने से फसल बरबाद हो जाती है। |
| 2 | बागवनी | ➢ क्षेत्र में सेब और नाशपाती की फसल बहुत अच्छी होती है। | ➢ फसल को जमा करने के लिए कोई भी सुविधा नही है। | ➢ यदि क्षेत्र में कोल्ड स्टोर हो तो लोगो को अच्छे दाम मिल सकते है। | ➢ मौसम परिवर्तन होता रहता हे। |
| 3 | पशु पालन | ➢ भेड़ और बकरी को पालने के लिए मौसम बहुत अच्छा हे। | ➢ चारे की सुविधा नही हें। | ➢ यदि चारे की उपलब्धता बढ़ जाती हें तो लोग पशु पालन को बढ़ावा दे सकते है। | ➢ पशु को अकसर बीमारी लगती रहती है। |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 4 | प्राकृतिक संसाधन | ➢ पारम्परिक जल स्त्रोत एवं वन संपदा। | ➢ बहुत कम सिंचित क्षेत्र है।<br>➢ भूमि कटाव की समस्या। | ➢ जल स्त्रोतो का नवीकरण एवं वन संपदा को बढ़ाना।<br>➢ गली प्लगिग। | ➢ मौसम परिवर्तन |
| 5 | सूक्ष्म उद्यम और उत्पादन प्रणाली | ➢ पारम्परिक काल से लोग हत्करघा बुनाई में संलिप्त है। | ➢ लोगो को नए तकनीक की जानकारी नही है । | ➢ तकनीकी जानकारी मिलने से उधोग को बढावा | ➢ लोगों को नए तकनीक की जानकारी न होने से छोटे छोटे उधोग खत्म हो रहे है। |

# अध्याय-2

# जलागम क्षेत्र का अवलोकन

## 8. जलागम का अवलोकन

### क्षेत्र की पृष्ठभूमि

जलागम क्षेत्र के अन्तगर्त छोटा कम्बा ग्राम पंचायत को लिया गया हैं। जो कि विकास खंड निचार के जिला किनौर में आती हे। जिला किनौर उतर दिशा मे स्थित है यहां का अधिकतर क्षेत्र पहाडियां तथा गलेशियर से ढ़का हुआ है। यहां पर छोटे–छोटे नदी नाले गांव से गुजरते है

### 8.1 भौगोलिक विशेषताए

जलागम क्षेत्र की उंचाई समुद्र तल से लगभग 2700मी0 है।अत सामान्य ढलान उत्तर पश्चिम दक्षिण पूर्व में हें और कुछ प्रमुख भौगोलिक इकाइयां भी है। जलागम क्षेत्र पहाडी ढलानो से ढका हें। सभी स्थानीय नदियां जैसे शोरगं खड आदि शमिल है।

जिला वार वन क्षेत्रकुल गौगोलिक क्षेत्र के प्रतिशत में

| जिला | 1991 | 1993 | 1995 | 1997 | 1999 | 2001 | 2003 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| बिलासपुर | 14.22 | 13.45 | 13.45 | 13.53 | 20.13 | 27.79 | 30.68 |
| चम्बा | 30.90 | 32.54 | 31.55 | 31.57 | 35.24 | 35.91 | 37.00 |
| हमीरपुर | 19.30 | 19.85 | 19.95 | 19.94 | 16.81 | 24.51 | 21.65 |
| कांगड़ा | 24.98 | 30.56 | 30.39 | 30.38 | 28.55 | 35.37 | 32.53 |
| किन्नौर | 9.88 | 9.83 | 9.83 | 9.87 | 10.13 | 10.11 | 9.58 |
| कुल्लू | 35.39 | 37.14 | 37.14 | 37.14 | 35.87 | 38.43 | 35.13 |
| लाहौल एवं स्पिति | 0.12 | 0.14 | 0.60 | 00.59 | 1.08 | 1.11 | 1.30 |
| मण्डी | 32.95 | 33.14 | 33.14 | 33.29 | 38.96 | 41.92 | 41.72 |
| शिमला | 43.26 | 47.25 | 47.25 | 47.26 | 46.57 | 47.63 | 46.44 |
| सिरमौर | 36.06 | 36.07 | 36.07 | 36.24 | 39.22 | 39.36 | 48.81 |
| सोलन | 21.46 | 21.59 | 21.59 | 21.79 | 25.41 | 35.28 | 42.30 |
| ऊना | 25.66 | 25.32 | 25.32 | 25.32 | 27.07 | 39.09 | 33.64 |
| हिमाचल प्रदेश | 21.16 | 22.46 | 22.45 | 22.49 | 23.49 | 25.79 | 25.68 |

प्रदेशके जंगलों के उत्पादों एवं सेवाओं का तुलनात्मक आर्थिक मूल्य

| उत्पाद सेवाएं | मूल्य |
|---|---|
| | 40860 |
| जलागम | 73972 |
| कार्बन सिंक | 17645 |
| जैवविविधता | 7137 |
| ईको पर्यटन | 6657 |
| चारा | 690 |
| जलावन की लकड़ी | 276 |
| आजीविका | 25 |
| सूक्ष्म जलवायु | 145 |
| सूखे गिरे पेडे | 32 |
| टी. डी. अधिकार | 60 |
| लघु वन उत्पाद | 25 |

## 8.2 जलवायु

जलागम क्षेत्र की जलवायु ठंडी व शुष्क है। जलवायु के चरणों का तीन भागो में विभाजित किया जा सकता है। मार्च से जुन तक महीने तक गर्मी, जुलाई से सितम्बर तक दक्षिण पश्चिमी मानसून के प्रभाव से बरसात व अक्तूबर से फरवरी अंत तक सर्दी का मौसम होता है। क्षेत्रा में जून तहनम में सर्वाधिक गर्मा पड़ती हैं। इस समय यहां का तापमान लगभग 25 डिग्री सेल्सियस रहता है। जुलाई व अगस्त महीने में सर्वाधिक वर्षा होती है। वार्षिक वर्षा प्रति वर्ष 766.5 मि0मी0 है। अक्तूबर से मार्च तक सर्दी का मौसम रहता है। क्षेत्र में भारी में बर्फ पड़ती है। औसतन दिसम्बर महीना सबसे अधिक ठंडा होता है। बागवानी के दृष्टिकोण से यह महीना उपयुक्त है। क्षेत्र में वर्षा की उपलब्ध्ता 55% से सर्दियों और 45% मानसून के महीनों में रहती है। आर्द्रता आमतौर पर 35 से 54.2% से कम है।

## 8.3 जलागम क्षेत्र का रूपरेखा

| जलागम क्षेत्र का नाम | गांव | विकास खंड | जिला | परियोजना का क्षेत्र | परियोजना का क्षेत्र कार्यरत | परियोजना की राषि |
|---|---|---|---|---|---|---|
| **छोटा कम्बा** | छोटा कम्बा बरा कम्बा सोलारिगं गरसु शोरगं कुमारगं | निचार | किनौर | 919 ha | 500ha | 75,00,000-00 |
| **सुगंरा** | सुगंरा कन्गोश साकिचरगं पुनसपा बारो | | | 629 ha | 500ha | 75,00,000-00 |
| **नाथपा** | नाथपा कन्धार सोलारिगं काचरगं साक कन्डा | | | 717 ha | 500ha | 75,00,000-00 |
| **पुनगं** | पुनगं पुनगं कन्डा सोला धार हुलगिधार | | | 624 ha | 500ha | 75,00,000-00 |
| **काफनु** | काफनु होमते मसरगं धार निगुल धारशालिगं | | | 1125 ha | 500ha | 75,00,000-00 |
| **यगंपा** | यगंपा हुरी मरपुलिगं धार शरगुच धार तुसकाव | | | 682 ha | 500ha | 75,00,000-00 |

## 8.4 जलागम क्षेत्र मे भुमि उपयोग की पद्धति

| क्रं0 सं0 | गांव का नाम | भगोलिक क्षेत्र | वन क्षेत्र | कृषि के अधिन जमीन | वर्षा रहित क्षेत्र | चरागाह | कृषि योग्य बंजर भूमि | बंजर भूमि न कृषि योग्य |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | नाथपा कन्धार सोलारिगं काचरगं साक कन्डा | 717 | 181 | 108 | 108 | 366 | 26 | 36 |
| 2 | छोटा कम्बा बरा कम्बा सोलारिगं गरसु शोरगं कुमारगं | 919 | 370 | 147 | 147 | 353 | 0 | 49 |
| 3 | सुगंरा कन्गोश साकिचरगं पुनसपा बारो | 629 | 15 | 175 | 175 | 252 | 73 | 114 |
| 4 | पुनगं पुनगं कन्डा सोला धार हुलगिधार | 624 | 52 | 35 | 35 | 453 | 12 | 72 |
| 5 | काफनु होमते मसरगं धार निगुल धारशालिगं | 1125 | 519 | 117 | 117 | 358 | 25 | 106 |
| 6 | यगंपा हुरी मरपुलिगं धार शरगुच धार तुसकाव | 682 | 102 | 161 | 161 | 318 | 21 | 80 |
| | कुल योग | 4696 | 1239 | 743 | 743 | 2100 | 157 | 457 |

## 8.5 जनसंख्यिकी जानकारी

पंचायत रिकॉर्ड के अनुसार छोटा कम्बा]नाथपा]सुगंरा]पुनंग]काफनु]यंगपा पंचायत में कुल जनसंख्या 7550 है जिसमें 3896 पुरुष और 3654महिलाएं हैं। पंचायत में अनुसूचित जाति के कुल परिवार 857 अनुसूचित जन जाति के कुल परिवार 1074 तथा गरिबी रेखा से नीचे 142 घर है। छोटा कम्बा नाथपा]सुगंरा]पुनंग]काफनु]यंगपा मे कुल परिवार 1989 हे। परिवार का औसत आकार प्रति परिवार 4 व्यक्ति हे।

| पंचायत | पुरूष | महिला | ज्नसंखया | अनुसूचित जाति परिवार | अनुसूचित जनजाति परिवार | गरिबी रेखा से निचे घर | समस्त परिवार |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| सुगंरा | 871 | 875 | 1746 | 263 | 185 | 54 | 448 |
| नाथप | 559 | 546 | 1109 | 87 | 213 | 0 | 300 |
| पुनगं | 213 | 184 | 397 | 20 | 82 | 12 | 102 |
| काफनु | 453 | 487 | 940 | 106 | 80 | 24 | 210 |
| यगंपा | 1126 | 851 | 1977 | 248 | 253 | 32 | 515 |
| छोटा कम्बा | 674 | 711 | 1385 | 133 | 261 | 20 | 414 |
| **जमा** | **3896** | **3654** | **7550** | **857** | **1074** | **142** | **1989** |

प्लान फाऊडेशन शिमला द्वारा आयोजित आधारभूत सर्वेक्षण

## 8.6 परिवारो का व्यावसयिक विवरण

| पंचायत | कृषि | वागवनी | जगली | बंजर | सिचितं जमीन | अन सिचितं जमीन) | सरकारी नौकरी | गेर सरकारी नौकरी | किसान |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| **छोटा कम्बा** | 47.4h a | 25.5 ha | 5.6 ha | 15. 5 ha | 6.3 ha | 84.8 ha | 62H.H | 32 H.H | 145H.H |
| **सुगंरा** | 36.4 ha | 19.9 ha | 0.72 ha | 4.6 ha | 7.6 ha | 53.4 ha | 38 H.H | 18 H.H | 113H.H |
| **नाथप** | 34.4h a | 17.6 ha | 5.5 ha | 16. 6 ha | 30.5 ha | 45 ha | 72 H.H | 34 H.H | 54 H.H |
| **पुनगं** | 3.5 ha | 9.5 ha | 0 | 1ha | 5.3 ha | 9 ha | 34 H.H | 13 H.H | 16 H.H |
| **काफनु** | 16.9 ha | 27 ha | 4 ha | 3 ha | 1.2 ha | 45.8 ha | 27 H.H | 6 H.H | 71 H.H |
| **यगंपा** | 23.1 ha | 32.5 ha | 6.4 ha | 5 ha | 1.2 ha | 63.2 ha | 46 H.H | 21 H.H | 105 H.h |

प्लान फाऊडेशन शिमला द्वारा आयोजित आधारभूत सर्वेक्षण

# **8.7** पशुधन आबादी

पशुपालन गतिविधियां से भी क्षेत्र में अजीविका का एक प्रमुख स्त्रोत है। विकास खंड निचार में जलागम क्षेत्र में पशुओ में 892गाय, 1465 बैल , 149 भेड, 2265 बकरी, 1548 खचर, 18 गधा 37 है।

| क्रं0 सं0 | गांव | गाय | | बकरी | भेड | बेल | खेचर | गधा |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | नं0 | छुध (lt.) | No | No | No | | |
| 1 | छोटा कम्बा | 204 | 336 lrts | 593 | 1015 | 64 | 01 | 07 |
| 2 | सुगंरा | 109 | 254 ltrs | 28 | 88 | 20 | 00 | 00 |
| 3 | नाथप | 272 | 293 ltrs | 475 | 450 | 18 | 00 | 03 |
| 4 | पुनगं | 44 | 76 ltrs | 15 | 12 | 06 | 00 | 00 |
| **5** | काफनु | 92 | 237ltrs | 359 | 578 | 11 | 02 | 05 |
| **6** | यगंपा | 171 | 269 ltrs | 78 | 122 | 30 | 15 | 22 |
| **कुल योग** | | **892** | **1465** | **1548** | **2265** | **149** | **18** | **37** |

प्लान फाऊडेशन शिमला द्वारा आयोजित आधारभूत सर्वेक्षण

# अध्याय तीन

# प्रांरभिक कार्य निष्पादन और एकीकरण

# <u>विस्तृत परियोजना दस्ताबेज (IWMP- VIII)</u>

## 9. चरण 1: तैयारी

परियोजना के प्रारंभिक वर्ष में मुख्य रूप से प्रवेश बिंदु गतिविधियां, विस्तृत परियोजना दस्ताबेज तैयार करना, स्वयं साहयता समूह तथा उपभेक्ता समूह को मजबूत बनाना तथा समुदाय की भागीदारी सुनिश्चित करना, **आदि** गतिविधियां **होती है।**

### 9.1 प्रवेश बिंदु गतिविधियां

प्रवेश बिंदु गतिविधियांके लिए कुल बजट रूपये 1800000-00 है।

| क्रं0 सं0 | पंचायत | पंचायत का जलागम कार्य क्षेत्र | राशि | कार्य का नाम | अनुमानित राशि |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | छोटा कम्बा | 500ha | 3,00,000 | पाईप लाईन | 3,00,000 |
| 2 | सुगंरा | 500ha | 3,00,000 | केट वायर | 3,00,000 |
| 3 | नाथप | 500ha | 3,00,000 | कुहल | 3,00,000 |
| 4 | पुनगं | 500ha | 3,00,000 | सिचाई टेंक व पाईप लाईन | 3,00,000 |
| 5 | काफनु | 500ha | 3,00,000 | कुहल | 3,00,000 |
| 6 | यगंपा | 500ha | 3,00,000 | कुहल | 3,00,000 |
| कुल राशि | | | | | 18,00,000-00 |

### 9.2 विस्तृत परियोजना रिपोट की तैयारी

जिला ग्रामीण विकास प्रधिकरण किन्नौर द्वारा प्लान फाउडेशन शिमला को एकिकृत जलागम प्रबंधन कार्यक्रम (IMWP-VIII) के तहत विस्तृत परियोजना दस्ताबेज तैयार करने का कार्य सौंपा गया है।

## 9.3 परियोजना कार्यान्वयन एजेंसी का सुदृढ़ीकरण

परियोजना कार्यान्वयन एजेंसी का सुदृढ़ीकरण जलागम क्षेत्र के विकास कार्य के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए जरूरी है। क्षमता निमार्ण इस परियोजना का एक महत्वपुर्ण हिस्सा है। जिला स्तर पर परियोजना कार्यन्वयन ऐंजसी को सार्वजनिक सम्पति प्रबंधन की जानकरी देने के साथ –साथ जलागम प्रबंधन में नवीनता के लिए क्षमता विकास अभ्यास में गली प्लगिंग व वर्षा जल संग्रहण जैसी विधियों को शामिल किया जानी चाहिए।

### प्रशासनिक, निगरानी, और मुल्याकंन और निकरानी के लिए बजट(प्रारम्भिक चरण)

| क्र0 स0 | ब्यौरे | विवरण | राशि |
|---|---|---|---|
| 1 | प्रशासनिक लागत | 10 % Rs. 750000x6 micro Watershed | 45,00,000.00 |
| 2 | निगरानी | 1 % Rs. 75000 x 6 micro Watershed | 450000.00 |
| 3 | मूल्यांकन | 1 % Rs. 75000 x 6 micro Watershed | 450000.00 |
| कुल राशि | | | **5400000.00** |

### प्रारंभिक चरण के लिए बजट

| क0 स0 | ब्योरे | विवरण | राशि |
|---|---|---|---|
| **पहला बर्ष** | | | |
| **1** | **विस्तृत परियोजना दस्ताबेज** | 1 % Rs. 75000 x 6 microWatershed | 450000-00 |
| **2** | **प्रवेश बिंदू गतिविधि** | 4%.Rs.300000x6 micro watershed | 1,800,000.00 |
| **3** | **संस्थागत और क्षमता निर्माण** | 5 % .375000x6 micro watershed | 22,50,000-00 |
| **पहला वर्ष** | | | |
| **जिला स्तर** | ❖ परियोजना प्रबधन।<br>❖ सामन्य मार्गदर्शिका। | 5 per @1000 for 5days | 25000-00 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| | ❖ जलागम क्षेत्र की पहचान। | No of Trainings: 1 | |
| **खंड स्तर** | ❖ जलागम परियोजना का सहभागिता पूर्ण मुल्याकंन ।<br>❖ कृषि,बागवानी व पशुपालन जानकारी ।<br>❖ जलागम विकास के तकनीक की जानकारी । | 6 per @ 750 for 5days<br>No of Trainings: 2 | 45000-00 |
| **पंचायत स्तर** | ❖ क्षमता विकास हेतु प्रशिक्षण शिविर।<br>❖ परियोजना को दुसरी परियोजना के साथ जोडना । | 22 per @ 500 for 5 days.<br>No of trainings: 1 | 55000-00 |
| **दुसरा वर्ष** | | | |
| **जिला स्तर** | ❖ परियोजना आंकलन और निगरानी ।<br>❖ जी.आई. एस. की जानकारी ।<br>❖ एम.आई.एस. जानकारी ।<br>❖ क्षेत्रीय भ्रमण,रालेगन सीधी, हीबरे बजार व अन्य संस्था आदि । | 5 per @1000 for 5days<br>No of Trainings: 1 | 25000-00 |
| **खंड स्तर** | ❖ जलागम विकास के तकनीक की जानकारी ।<br>❖ परियोजना कियान्वयन की निषपादन प्रकिया ।<br>❖ कृषि,बागवानी व पशुपालन जानकारी ।<br>❖ एम.आई.एस. जानकारी ।<br>❖ क्षेत्रीय भ्रमण रालेगन सीधी, हीबरे बजार आंदि। | 6 per @ 750 for 5days<br>No of Trainings: 2 | 45000-00 |
| **पंचायत स्तर** | ❖ अजिविक और आय सृजन गतिविधि परियोजना निषपादन प्रकिया ।<br>❖ क्षमता विकास हेतु प्रशिक्षण शिविर।<br>❖ कृषि,बागवानी व पशुपालन जानकारी ।<br>❖ जलागम तकनीकि जानकारी ।<br>❖ क्षेत्रीय भ्रमण रालेगन सीधी, हीबरे बजार आंदि। | 22 per @ 500 for 5 days.<br>No of trainings: 1 | 55000-00 |

# विस्तृत परियोजना दस्ताबेज (IWMP- VIII)

| तीसरा वर्ष | | | |
|---|---|---|---|
| **जिला स्तर** | ❖ परियोजना आंकलन और निगरानी ।<br>❖ जलागम विकास की संरचना ।<br>❖ परियोजना निषपादन अभिकरण को जलागम परियोजना संबधी सहयोग ।<br>❖ क्षेत्रीय भ्रमण,रालेगन सीधी, हीबरे बजार । | 5 per @1000 for 5days<br>No of Trainings: 1 | 25000-00 |
| **खंड स्तर** | ❖ सद्धांतिक जलागम विकास की संरचना ।<br>❖ जलागम विकास का समाजिक एवं प्रबंधकीय दृष्टि कोण ।<br>❖ जलागम परियोजना में अभिसरण की जानकारी ।<br>❖ परियोजना क्रियान्वयन की निषपादन प्रकिया ।<br>❖ जलागम परियोजना का सहभागिता पूर्ण मुल्याकंन ।<br>❖ एम.आई.एस. जानकारी ।<br>❖ क्षेत्रीय भ्रमण रालेगन सीधी, हीबरे बजार आंदि। | 6 per @ 750 for 5days<br>No of Trainings: 2 | 45000-00 |
| **पंचायत स्तर** | ❖ अजिविक और आय सृजन गतिविधि परियोजना निष्पादन प्रकिया ।<br>❖ परियोजना को सुचारू रूप से चलाना ।<br>❖ जलागम तकनीकि जानकारी।<br>❖ परियोजना में प्रालेखीकरण प्रक्रिया।<br>❖ क्षेत्रीय भ्रमण रालेगन सीधी, हीबरे बजार आंदि। | 22 per @ 500 for 5 days.<br>No of trainings: 1 | 55000-00 |
| **कुल** | | | **375000-00** |

# 10. कार्य निष्पादन

## 10.1 प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन

### मौजूदा स्थिति

प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन किसी भी मानव समाज के अस्तित्व के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। जलागम क्षेत्र में ग्लेशियरो के पिघलने के कारण भूस्खलन होने का खतरा है, ग्लेशियरो के पिघलने के कारण ही क्षेत्र मे जनजीवन एवं संम्पति को भारी नुकसान हो जाता है। क्षेत्र की मिट्टी मरूभूमि होने के कारण भारी मात्रा में मिट्टी का कटाव हो जाता है। जिसका उपचार किया जाना अनिवार्य है। इसके अलावा क्षेत्र में जल को एकत्रित करने की उचित व्वस्था नही है। जिससे सिंचाई प्रणाली पर गहरा असर पड़ता है। अतः परियोजना के माध्यम से जल भण्डार हेतु उचित प्रबंध किया जाएगा।

### प्रस्तावित गतिविधियों

| क्र0 स0 | गतिविधि | ईकाइयां | अभिसरण राशि | जलागम राशि | कुल राशि |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | सिचाई टेंक | 26.no | 1399000.00 | 8532400.00 | 9931400.00 |
| 2 | पाईप लाईन | 27696.mtrs | 391400 | 4391200.00 | 4782600.00 |
| 3 | पानी पीने का टेंक | 4.no | 385500 | 1052400.00 | 1437900.00 |
| 4 | क्रेट वायर | 72.no | 1792000.00 | 2343200.00 | 4135200.00 |
| 5 | पौधा रोपण चारे के | 36ha | 600000.00 | 818900-00 | 1518900-00 |
| 6 | गेबियन निमार्ण | 145.no | 6296900.00 | 4625300.00 | 10922200.00 |
| 7 | कुहल का निमार्ण | 1400.mtrs | 2183000.00 | 3056700.00 | 5239700.00 |
| 8 | बावडी निमार्ण | 1.no | 00-00 | 28000.00 | 28000.00 |
| 9 | टेकं रिपयर | 3.no | 00-00 | 173100.00 | 173100.00 |
| **कुल योग** | | | **1,30,47,800-00** | **2,50,21,200-00** | **3,81,69,000-00** |

## 10.2 आजीविका क्रियाएँ

मौजूदा दौर में जलागम क्षेत्र में लागों का आजिविकाउपार्जन का मुख्यतः बागवानी, कृषि अथवा मजदूरी है। क्षेत्र की सिचाई की उचित व्यवस्था ना हाने के कारण लोग व्यवसायिक सब्जियों का उत्पादन नही कर पाते। यदि क्षेत्र में सिचाई व कृषि को नई तकनीक के साथ जोड़ा जाए तो क्षेत्रवासियो की अजिविका संबधी समस्या काफी हद तक सुधार हेा जाएगा।

**प्रस्तावित गतिविधियों : निम्नलिखित गतिविधियो के माध्यम से लोगो की आय के स्तर में सुधार लाने में मदद मिलेगी ।**

| जलागम | स्वयंसहायता समूह | प्रति ईकाइ औसत दर | जलागम राशि | अनुदान सहायता राशि | कुल जलागम राशि |
|---|---|---|---|---|---|
| छोटा कम्बा | 17 SHG | 25000-00 | 425000-00 | 250000-00 | 675000-00 |
| सुगंरा | 19 SHG | 25000-00 | 475000-00 | 200000-00 | 675000-00 |
| नाथपा | 15 SHG | 25000-00 | 375000-00 | 300000-00 | 675000-00 |
| पुनग | 14 SHG | 25000-00 | 350000-00 | 325000-00 | 675000-00 |
| काफनु | 10 SHG | 25000-00 | 250000-00 | 425000-00 | 675000-00 |
| यगंपा | 18 SHG | 25000-00 | 450000-00 | 225000-00 | 675000-00 |
| कुल योग | **93 SHG** | | **2325000-00** | **1725000-00** | **4050000-00** |

## 10.3 उत्पादन प्रणाली

### 10.3.1 कृषि

### मौजूदा स्थिति

जलागम क्षेत्र में लोग का थोडा बहुत व्यवसाय कृषि भी है। औसतन सभी परिवार कृषि से जुडें है। यहां पर लोग ज्यादातर बागवानी से जुडे है। जलागम क्षेत्र में लोग अधिकतर फाफरा व ओगला व गेहुँ आदि फसले भी उगाते है। इसके इलावा लोग सब्जी की भी खेती करते है।

### गतिविधियों प्रस्तावित हस्तक्षेप

| क्र0 सं0 | गतिविधि | पंचायत | लाभार्थियों | जलागम राशि |
|---|---|---|---|---|
| 1 | बरोकली व फुल गोभी का बीजवितरण | 6 | समस्त गांव वासियो | 752900-00 |
| **कुल योग** | | | | **752900-00** |

### 10.3.2 बागवानी

### मौजूदा स्थिति

जलागम क्षेत्र में लोगों का मुख्य व्यवसाय बागवानी है। औसतन सभी परिवार बागवानी व्यवसाय से जुड़े है। बागवानी में मुख्यतः सेब, नाशपाती , खुमानी, बादाम, चिलगोजा व अंगूर है। इनमें से सेब प्रमुख फसल है।

### गतिविधियों प्रस्तावित हस्तक्षेप

| क्र0 सं0 | गतिविधि | पंचायत | लाभार्थियों | जलागम राशि |
|---|---|---|---|---|
| 1 | नाशपाती व सेब पौधे वितरण | 6 | समस्त गांव वासियो | 1289500-00 |
| **कुल योग** | | | | **1289500-00** |

### 10.3.3 पशुपालन

## मौजूदा स्थिति

जलागम क्षेत्र में लोगों की पशुपालन की बहुत अच्छी स्थिति हे । क्षेत्र में लोगो के पास भेड व बकरी काफी मात्रा में है। अधिकतर लोगों के घर पर लोकल गाय है। यहां पर लोग दुध का व्यवसाय नही करते है। क्योकि दुध कम मात्रा में होता है। इन क्षेत्रों मे अधिकतर महीनों मे हरा चारा उपलब्ध नही होता है।

## गतिविधियों प्रस्तावित हस्तक्षेप

| क्र0 सं0 | गतिविधि | पंचायत | लाभार्थियों | जलागम राशि |
|---|---|---|---|---|
| 1 | घास का बीज वितरण | 6 | समस्त गांव वासियो | 222600-00 |
| **कुल योग** | | | | **222600-00** |

### 10.3.4 लघु उद्यम

## सुक्ष्म उद्यमों की मौजूदा स्थिति

जलागम क्षेत्र में लोगो द्वारा छोटे– छोटे सुक्ष्म उधोग लगाए गए है। जैसे बुनाई, सिलाई, मुर्गी पालन अथवा मधुमखी पालन आदि । इसके इलावा कृषि व बागवानी भी आय का विशेष स्त्रोत है। भारत सरकार द्वारा माहत्मा गांधी रोजगार गारंन्टी योजना भी चलाई जा रही है। यह भी आय का विशेष स्त्रोत है।

## गतिविधियों प्रस्तावित हस्तक्षेप

| क्र0 सं0 | लघु उद्यम | ईकाइयां | लाभार्थियों | जलागम राषि |
|---|---|---|---|---|
| 1 | र्नसरी | 21 no | 21 H.H | 315000-00 |
| 2 | कारपेन्टर औजार | 19 no | 19 H.H | 380000-00 |
| 3 | ढाबा | 1 no | 1 H.H | 20000-00 |
| 4 | मुर्गी पालन | 8 no | 8H.H | 160000-00 |
| 5 | मधुमक्खी पालन | 11 no | 11 no | 165000.00 |
| 6 | हथकरधा | 14 no | 14 no | 280000.00 |
| 7 | केचुआ खाद | 31 unit | 31 no | 930000.00 |
| **कुल योग** | | **105 no** | **105 no** | **2250000-00** |

## 11. एकीकरण चरण

इस प्रक्रिया में जलागम परियोजना के अन्तिम चरण में परियोजना संबधी दस्तावेज तैयार करना,

इस चरण में निम्नलिखित गतिविधियां अमल में लाई जाएगी।

- **प्रालेखन**: यह जलागम कार्यन्वयन की अवधि के दौरान किए गए गतिविधियों संबधी जानकारी एकत्र करने का कार्य है। प्रालेखन कार्य में वीडियो, ऑडियो, कागज तथा प्रालेखन प्रक्रिया हो सकता है। यह रिकॉर्ड को बनाए रखने, पहचान और परियोजना के तहत किए गए सफल गतिविधियों का प्रचार करना सम्मिलित।
- **प्रभावी प्रयोग**: यह परियोजना अवधि के दौरान किए गए सर्वोत्तम कार्य की पहचान करना और अध्ययन सामग्री तैयार करके अन्य जलागम क्षेत्रों में प्रचारित करना।
- **मूल्यांकन**: मूल्यांकन परियोजना के प्रभाव और परिणाम का आकलन करने के लिए एक बेहद आवश्यक कार्य है। यह मूल्यांकन निम्न रूप से किए जाने का प्रस्ताव है।
- **सामाजिक अंकेक्षण**: यह लाभार्थियों द्वारा अपने क्षेत्र में परियोजना के तहत किए गए कार्य का मुल्याकंन स्थानीय समुदाय द्वारा ही किए जाने का प्रस्ताव है। जलागम समिति किए गए कार्यों के खातों को अनुमोदन के लिए ग्राम सभा में प्रस्तुत करेगी।
- **बाहरी एजेंसी द्वारा मूल्यांकन**: जलागम परियोजनाओं के कार्य की उचित निगरानी और मूल्यांकन के लिए बाहरी अनुभवी एजेंसी से भी मुल्यांकन किए जाने का प्रस्ताव है।

| क्र0 सं0 | समेकन चरण | राशि |
|---|---|---|
| 1 | दस्तावेजीकरण | 405000.00 |
| 2 | सफल प्रयोगों की दस्तावेजीकरण | 405000.00 |
| 3 | क्षमता निर्माण और प्रशिक्षण | 540000.00 |

# अध्याय चार
# संस्थागत व्यवस्था कार्य योजना एवं बजट

## 12. संस्थागत व्यवस्था

### राज्य स्तरीय नोडल एजेंसी

राज्य द्वारा कार्यक्रम के संचालन हेतु एक विशेष राज्य स्तरीय नोडल एजेंसी (SLNA) का गठन किया गया हैं जो स्वतंत्र रूप से बैंक खातों का संचालन करता है।

### राज्य स्तरीय नोडल एजेंसी को निम्नलिखित मुख्य कार्यों को करने का प्रावधान है:

- ब्लॉक तथा जिला स्तर पर तैयार की गई योजनाओं के आधार पर राज्य के लिए जलागम विकास की संदर्शी तथा कार्यनीतिक योजना तैयार करना और कार्यान्वयन संबधी कार्यनीति तथा प्रत्याशित उपलबिधयों/परिणामों,वितिय परिव्ययों को सूचित करना मूल्यांकन और स्वीकृति के लिए विभाग में में केन्द्र स्तरीय नोडल एजेंसी से सम्पर्क करना।
- राज्यों को स्वीकृत निधियों से राज्य स्तरीय आंकड़ा प्रकोष्ठ स्थापित करना तथा इसका रख–रखाव करना और राष्ट[a] स्तरीय आंकड़ा केन्द्र के साथ इसे ऑन लाइन जोड़ना।
- पूरे राज्य में जिला जलागम विकास इकाइयों को तकनीकी सहायता उपलब्ध कराना।
- राज्य के भीतर विभिन्न भागीदारों के क्षमता निर्माण के लिए स्वतंत्र संस्थाओं की एक सूची अनुमोदित करना और एन,आर,ए,ए,/नोडल मंत्रालय के परामर्श से समग्र क्षमता निर्माण संबधी कार्यनीति तैयार करना।
- समुचित विषयनिष्ठ चयन मानदण्डों तथा पारदर्शी प्रणालियों को अपनाकर डी,डब्ल्यू,डी,यू,/जिला स्तरीय समिति द्धारा अभिज्ञात/चयनित परियोजना कार्यान्वयन एजेंसियों को अनुमोदित करना।
- विभिन्न स्तरों पर निगरानी,मूल्यांकन तथा ज्ञानार्जन प्रणालियां स्थापित करना।
- केन्द्र स्तरीय नोडल एजेंसी के सहयोग से राज्य में जलागम परियोजनाओं की नियमित तथा गुणवतापूर्ण ऑन लाइन मॉनीटरिंग सुनिश्चित करना तथा स्वतंत्र एवं सक्षम एजेंसियों के साथ साझेदारी विकसित करके सूचना प्राप्त करना।
- राज्य के भीतर सभी जलागम परियोजनाओं के लिए स्वतंत्र संस्थागत मूल्यांकन कर्ताओं की एक सूची तैयार करना, इस सूची को केन्द्र स्पर पर संबधित नोडल एजेंसियों से विधिवत रूप से अनुमोदित करवाना तथा यह सुनिश्चित करना कि गुणवतापूर्ण मूल्यांकन का कार्य नियमित आधार पर किया जाता है।
- नोडल मंत्रालय/एन,आर,ए,ए,के साथ समन्वय से राज्य विशिष्ट प्रक्रिया मार्गदर्शी सिद्धांत, प्रौद्योगिकी मैनुअल आदि तैयार करना तथा इन्हें लागू करना।

### जिला जलागम विकास एजेंसी/DWDA

जिला जलागम विकास इकाई एक पृथक इकाई होगी जिसमें पूर्णकालिक परियोजनाओं प्रबंधक तथा कृषि/जल प्रबंधन/सामाजिक संघटन/प्रबंधन तथा लेखा के 3 से 4 विषय वस्तु विशेषज्ञ शामिल होंगे जिन्हें उनकी योग्यता तथा विशेषज्ञता के आधार पर संविदा/प्रतिनियुक्ति/स्थानांतरण आदि के आधार पर नियुक्त किया जाएगा। परियोजना प्रबंधक, डी,डब्ल्यू,डी,यू,/प्रतिनियुक्ति पर सेवारत सरकारी अधिकारी होगा

या उसकी भर्ती पारदर्शी प्रकिया के माध्यम से खुले बाजार से की जाएगी। जिला जलागम विकास इकाई जिला आंकड़ा प्रकोष्ठ स्थापित करने तथा इन्हें सुदृढ़ बनाने संबधी व्यवस्थाओं के लिए वितीय सहायता उपलब्ध कर्मचारी, अवसंरचना तथा वास्तविक आवश्यकता की समीक्षा के पश्चात भारत सरकार द्वारा की जाएगी।

## जलागम विकास दल

ज्लागम पहले से ही कार्य कर रहा है जो पिया का एक अभिन्न हिस्सा है। प्रत्येक WDT मृदा विज्ञान, जल प्रबंधन, सामाजिक जागरूकता और संस्थागत भवन, मोटे तौर पर ज्ञान और कृषि के क्षेत्र में अनुभव के साथ, चार सदस्यों का गठन किया जाता है। WDT सदस्यों में से एक महिला है।

WDT जलग्रहण कार्य योजना के निर्माण में ग्राम पंचायत मार्गदर्शन करेंगे। WDT की भूमिका और जिम्मेदारियों का एक सांकेतिक सूची, दूसरों के बीच में निम्नलिखित शामिल होंगे।

- आयोजन और उपयोगकर्ता समूहों और स्वयं सहायता समूह का पोषण
- दृष्टिकोण और महिलाओं के हितों का पर्याप्त जलग्रहण कार्य योजना में परिलक्षित होते है और यह सुनिश्चित करें कि महिलाओं को जुटाने।
- भागीदारी बेस लाइन सर्वेक्षण, प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण का आयोजन।
- घरेलू स्तर पर टिकाऊ आजीविका को बढ़ावा देने के लिए पानी और मिट्टी संरक्षण या उद्धार आदि सहित विस्तृत संसाधन विकास की योजना तैयार कर रहा है।
- आम संपत्ति संसाधन प्रबंधन और न्यायस्रंत बंटवारे।
- ग्राम सभा के विचार के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार कर रहा है।
- इंजीनियरिंग सर्वेक्षण शुरू करने का निर्माण किया जाना किसी भी संरचनाओं के लिए इंजीनियरिंग ड्राइंग और लागत अनुमान तैयार करते है।
- निगरानी, जांच का आकलन करने, और काम का भौतिक सत्यापन और माप उपक्रम।
- भूमिहीन के लिए आजीविका के अवसरों के विकास की सुविधा।
- परियोजना खातों को बनाए रखने।
- किए गए कार्य की भौतिक, वित्तीय और सामाजिक अंकेक्षण की व्यवस्था।
- के बाद परियोजना के संचालन, रखरखाव और परियोजना अवधि के दौरान बनाई गई संपत्ति के भविष्य के विकास के लिए उपयुक्त व्यवस्था की स्थापना।
- ग्राम स्तरीय और लोगों की भागीदारी पर संस्थागत व्यवस्था।

## स्वयं सहायता समूह

ग्राम पंचायतों, गरीब छोटे और सीमांत किसान परिवारों, परिसंपत्ति/भूमिहीन कम गरीब खेतिहर मजदूरों, महिलाओं, चरवाहों और अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के व्यक्तियों में से WDT की मदद से जलग्रहण क्षेत्र में गठित स्वयं सहायता समूह है। ये समूह अपनी आजीविका के लिए जलग्रहण क्षेत्र पर

निर्भर है जो आम पहचान और रूचि होने के समरूप समूह है। प्रत्येक स्वयं सहायता समूह नोडल मंत्रालय द्वारा तय की जाने वाली राशि का एक परिक्रामी निधि के साथ उपलब्ध कराया जाएगा।

## ग्राम पंचायत

हिमाचल प्रदेश में ग्राम पंचायतों द्वारा गांव में WDT के तकनीकी समर्थन के साथ जलागम परियोजना को लागू करेगा। ग्राम सभा जलागम समिति के अध्यक्ष के रूप में गांव से किसी उपयुक्त व्यक्ति का चुनाव/नियुक्त कर सकता है। सरपंच और/या वार्ड सदस्य/पंचायत सदस्यों को भी जलागम का सदस्य हो सकता है। जलागम समिति जलागम ) में कम से कम 10 सदस्यों का समावेश होगा, सदस्यों में से आधे स्वयं सहायता समूहों और उपयोग कर्ता समूहों, अनुसूचित जाति/जनजाति समुदाय, महिलाओं और गांव में भूमिहीन व्यक्तियों के प्रतिनिधि होंगे। WDT का एक सदस्य भी जलागम समिति (शौचालय) में प्रतिनिधित्व किया जाएगा। फंड शौचालय के लिए जारी किया जा सकता है। वैकल्पिक रूप से, जलागम जी एस द्वारा गठित की जाएगी और यह जीपी की एक उपसमिति हो जाएगा। ऐसी स्थिति में, शौचालय सोसायटी पंजीकरण अधिनियम के तहत पंजीकृत होना अपवश्यक नहीं है। फंड ग्राम पंचायत को जारी की जाएगी।

### तकनीकी सहायता:

जलागम कार्य को प्रभावी सुचारू रूप से चलाने के लिए समय–समय पद परियोजना कार्यन्यन एंजसी को तकनिकी सहायता की आवश्यकता पड़ेगी, जिसके लिए खंड स्तर पर, जिला स्तर पर, राज्य स्तर अथवा अनुभवी संस्थाओं से मद्द ली जा सकती।

कुछ स्थायी व्यवस्था का समर्थन संयुक्त रूप से डीआरडीए और प्लान फाउंडेशन द्वारा तैयार किया जाता है, तो योजना शिमला ऊपर समर्थन के लिए उपलब्ध हो जाएगा।

# 13. बजट

## जलागम परियोजना की राशि

| क्र0 सं0 | विवरण | जलागम राशि | लाभार्थी योगदान | अभिसरण |
|---|---|---|---|---|
| 1 | **सामान्य** | | | |
| क | प्रशासनिक राशि | 4500000-00 | - | - |
| ख | निगरानी | 450000-00 | - | - |
| ग | मुल्यांकन | 450000-00 | - | - |
| | **कुल** | **54,00,000-00** | - | - |
| 2 | **प्रारंभिक चरण** | | | |
| a | प्रवेश गतिविधि | 1800000-00 | - | - |
| b | संस्थागत क्षमता निर्माण | 22,50,000-00 | - | - |
| c | **विस्तृत परियोजना रिपोट** | 450000-00 | - | - |
| | **कुल** | **45,00,000-00** | | |
| 3 | **जलागम कार्यों चरण** | | | |
| | **जलागम विकास कार्यों** | | | |
| a | सिचाई टेंक | 8532400.00 | 426620-00 | 1399000.00 |
| b | पाईप लाईन | 4391200.00 | 219560-00 | 391400 |
| c | पानी पीने का टेंक | 1052400.00 | 52620-00 | 385500 |
| d | केट वायर | 2343200.00 | 117160-00 | 1792000.00 |
| e | पौधा रोपण चारे के | 418900.00 | 20945-00 | 200000.00 |
| f | गेबियन निमार्ण | 4625300.00 | 231265-00 | 6296900.00 |
| G | कुहल का निमार्ण | 3056700.00 | 152835-00 | 2183000.00 |
| h | बावडी निमार्ण | 28000.00 | 1400-00 | 28000-00 |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| i | टेकं रिपयर | 173100.00 | 8655-00 | 173100-00 |
| **4** | **आजीविका की गतिविधियां** | | | |
| a | सिलाई स्वयं सहायता समूह | 1025000.00 | - | - |
| b | बुनाई स्वयं सहायता समूह | 775000.00 | - | - |
| c | हथकरघा स्वयं सहायता समूह | 275000.00 | - | - |
| d | मोमबती स्वयं सहायता समूह | 125000.00 | | |
| e | मुर्गी पालन स्वयं सहायता समूह | 75000.00 | | |
| f | जैम और आचार स्वयं सहायता समूह | 50000.00 | | |
| **5** | **उत्पादन प्रणाली और सूक्ष्म-उद्यम** | | | |
| **1** | **कृषि गतिविधियां** | | | - |
| a | बरोकली व फुल गोभी बीज वितरण | 752900-00 | 75290-00 | |
| 2 | **बगवानी गतिविधियां** | | | |
| a | नशपाती व सेब के पौधे वितरण | 1289500-00 | 128950-00 | |
| 3 | **पशुपालन गतिविधियां** | | | |
| a | घास बीज वितरण | 222600-00 | 22260-00 | |
| **2** | **लघु उद्यम** | | | |
| **a** | नर्सरी | 315000-00 | 31500-00 | - |
| **b** | कारपेन्टर औजार | 380000-00 | 38000-00 | - |
| **c** | ढाबा | 20000-00 | 2000-00 | - |
| **d** | मुर्गी पालन | 160000-00 | 16000-00 | - |
| **e** | मधुमक्खी पालन | 165000.00 | 16500-00 | - |
| **f** | हथकरधा | 280000.00 | 28000-00 | - |
| **g** | केचुआ खाद | 930000.00 | 93000-00 | |
| **h** | | | | |
| **6** | **समेकण चरण** | | | |
| 1 | दस्तावेज़ीकरण | 6,75,000-00 | - | - |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 2 | सफल प्रयोगों की दस्तावेज़ीकरण | 6,75,000-00 | - | - |
| 3 | क्षमता निर्माण और प्रशिक्षण | 22,50,000-00 | - | - |
| | **कुल** | **36,00,000-00** | - | - |
| | **सम्पूर्ण अनुदान** | | | |

## प्रस्तावित अंतिम बजट

| क्र0 सं0 | विवरण | राशि (Rs.) |
|---|---|---|
| **1** | **एकीकृत जलग्रहण प्रबंधन परियोजना की कुल राशि** | **4,50,00,000-00** |
| **2** | **लाभार्थी योगदान** | **1710000-00** |
| **3** | **प्रस्तावित अभिसरण** | **1,30,47,800-00** |